Exam. Code : 216303
Subject Code : 5328

M.A. (Hindi) 3rd Semester

ADHUNIK GADH SAHITYA

Paper—XII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से **एक** प्रश्न का चयन करें। **पांचवां** प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न के **16** अंक हैं।

भाग—अ

सप्रसंग व्याख्या :

1. तू जो बात नहीं समझती, उसमें टाँग क्यों अड़ाती है भाई! मेरी लाठी दे दे और अपना काम देख। यह इसी मिलते-जुलते रहने का परसाद है कि अब तक जान बची हुई है, नहीं कहीं पता न लगता कि किधर गये। गाँव में इतने आदमी तो हैं किस पर बेदखली नहीं आई, किस पर कुड़की नहीं आई। जब दूसरों के पाँवों-तले अपनी गर्दन दबी हुई है तो उन पाँवों को सहलाने में ही कुसल है।' 16

2. नहीं बेटा, अब तुम अपनी बहू के साथ जैसा मन चाहे रहो। मैंने अपना खा-पहन लिया। अब यहाँ क्या करूँगी। जो थोड़े दिन ज़िन्दगानी के बाकी हैं, भगवान का नाम लूँगी। तुम मुझे हरिद्वार भेज दो। 16

Scanned with CamScanner

भाग—ब

दीर्घ प्रश्न:

3. 'गोदान' में चित्रित कृषक जीवन की त्रासदी की विवेचना कीजिए। 16

4. 'गोदान' के भाषा-शिल्प का विश्लेषण कीजिए। 16

भाग—स

दीर्घ प्रश्न:

5. 'एक और ज़िंदगी' कहानी में व्याप्त अन्तर्द्वन्द्व की विवेचना कीजिए। 16

6. कहानीकार अज्ञेय के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 16

भाग—द

दीर्घ प्रश्न:

7. 'अतीत के चलचित्र' के आधार पर महादेवी वर्मा के गद्यकार रूप की समीक्षा कीजिए। 16

8. रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर 'रामा' की विवेचना कीजिए। 16

Scanned with CamScanner